131578 - रोटी और खाना कूड़ेदान में डालना

प्रश्न

क्या क्या रोटी और भोजन को कचरे के डिब्बे में फँकना हराम है, हालाँकि वह कुछ हद तक खाने के लायक़ नहीं होता है, या वह लंबे समय तक बिना किसी के खाए फ्रिज में रखा गया होता है?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।.

रोटी और भोजन उन आशीषों में से हैं जिनके लिए अल्लाह का आभारी होना चाहिए और उनका संरक्षण करना चाहिए, तथा उनकी उपेक्षा (अनादर) करने से दूर रहना चाहिए।

उन्हें कूड़ेदान या कचरे के डिब्बे में फेंकना उनका अनादर करना, और उन पर खर्च किए गए पैसे को बर्बाद करना है। सही व्यवहार यह है कि उन्हें उन लोगों को देना चाहिए जो उनसे लाभान्वित हो सकें, जैसे कि गरीब लोग या जानवर, या उन्हें अलग थैले में रखा जाना चाहिए ताकि सफाई करने वाले को पता चले कि उसमें सम्मानजनक भोजन है, और वह उसे उन लोगों को दे दे जो मुर्गियाँ और पशुधन पालते हैं, जैसा कि कुछ देशों में किया जाता है। जबकि नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का फरमान है : "हर जीवित प्राणी में अज्र है।" इसे बुखारी (हदीस संख्या : 2363) और मुस्लिम (हदीस संख्या : 2244) ने रिवायत किया है।

शैख इब्ने बाज़ रहिमहुल्लाह ने फरमाया : "जहाँ तक रोटी, मांस और अन्य प्रकार के भोजन का संबंध है, उन्हें मलकुंड में फँकना जायज़ नहीं है। बल्कि उन्हें उन लोगों को दिया जाना चाहिए जिन्हें उनकी आवश्यकता है, या उन्हें एक प्रत्यक्ष स्थान पर रखा जाना चाहिए, जहाँ उनका अनादर न किया जाए, इस उम्मीद में कि जिसे अपने जानवरों के लिए उनकी आवश्यकता होगी, वह उन्हें ले जाएगा, या कुछ पशु और पक्षी उन्हें खा लेंगे। उन्हें कचरे के डिब्बे में या गंदी जगहों पर या सड़क पर रखना जायज़ नहीं है, क्योंकि यह उनका अनादर करने के अंतर्गत आता है, तथा उन्हें सड़क पर रखना उनका अनादर करना और रास्ता चलने वालों को कष्ट पहुँचाना है।" "मजमूउल-फ़तावा" (23/39) से उद्धरण समाप्त हुआ।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।